**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्नऔ संख्या 2623**

**14 मार्च, 2016 को उत्तार के लिए**

**रक्षा उत्पादन हेतु इस्पात**

**2623. डॉ. मनोज राजोरिया:**

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार देश में रक्षा उपकरणों के उत्पादन हेतु घरेलू इस्पात का बड़े पैमाने पर उपयोग करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारतीय इस्पात की गुणवत्ता ऐसी है कि इससे रक्षा उपकरण टिकाऊ तथा प्रभावी बन सकेगा; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा रक्षा उपकरणों का विनिर्माण करने वाली इस्पात कंपनियों को किस प्रकार की रियायत दिए जाने की योजना है?

**उत्तिर**

**इस्पायतऔर खान राज्यरमंत्री** **(श्री विष्णुषदेव साय)**

(क) और (ख) : आर्डिनेन्सय फैक्ट्री ज और रक्षा संबंधी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम रक्षा उपकरण के विनिर्माण के लिए मुख्यऔ रूप से स्व:देशी इस्पाात का उपयोग कर रहे हैं जैसे कि युद्धपोतों के खोखले ढांचे के लिए डीएमआर 249 ए ग्रेड का स्टीेल, टी-72 टैंकों और टी-90 टैंकों के लिए आरमोर स्टीउल प्लेरटें तथा एसयू-30 एयरक्राफ्ट एवं मिग एयरक्राफ्ट के लिए विभिन्नस ग्रेड़ों का इस्पाात इत्याकदि। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (एमआईडीएचएएनआई) हैदराबाद, मेटल एंड स्टी्ल फैक्ट्री (एमएसएफ), ईशापोर, स्टीडल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और मैसर्स एस्साबर स्टीमल लिमिटेड इत्यादि रक्षा उपकरण के विनिर्माण हेतु अपेक्षित विभिन्नं ग्रेड़ों के इस्पा त के कुछेक भारतीय आपूर्तिकर्ता हैं।

(ग) और (घ) : स्वयदेशी इस्पाषत की गुणवत्ताण टिकाऊ है और प्रभावी है क्योंकि रक्षा उपकरण के विनिर्माण के लिए आर्डिनेन्सत फैक्ट्रीनज और रक्षा संबंधी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा इस इस्पारत को गुणवत्ताि मानकों की अपेक्षाओं की अनुकूलता सुनिश्चित करने के बाद ही स्वीधकार किया जाता है। रक्षा उपकरण का विनिर्माण करने वाली इस्पाकत कंपनियों को किसी प्रकार की रियायत दिए जाने का वर्तमान में कोई प्रस्ताेव नहीं है।

***